



संस्कृति विभाग

पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय
सिविल लाईन रायपुर, छत्तीसगढ़

आमंत्रण

विषय- लोक साहित्य के दर्पण में अतीत का प्रतिबिम्ब

शुभारंभ सत्र

दिनांक:- 18 जून 2026 पूर्वाह्न 11:00

स्थान :- सभागार, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय
परिसर रायपुर

प्रति, _____

आप ब्यादर आमंत्रित हैं

डॉ. संजय कन्नौजे
संचालक

18 जून 2026, गुरुवार - पूर्वाह्न 11:00 बजे से - शुभारंभ सत्र

आधार वक्तव्य - प्रो. आदित्य प्रताप देव, इतिहासकार, सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

Reflections of Pasts in Chhattisgarhi Folk Culture: Challenges and Possibilities

प्रथम सत्र - मध्याह्न 12:00-02:15

सत्राध्यक्ष	प्रो. चितरंजन कर, रायपुर	- पूर्व अध्यक्ष, हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग तथा संकायाध्यक्ष, कला संकाय, रायपुर
वक्ता - 1	आचार्य रमेन्द्रनाथ मिश्र, रायपुर	लोक साहित्य में ज्ञात ऐतिहासिक व्यक्तित्व - गोपालराय
वक्ता - 2	डॉ. बिहारीलाल साहू, सारंगढ़	प्रकृति-पूजा का पावन पर्व : भोजली
वक्ता - 3	श्री राहुल कुमार सिंह, रायपुर	टांगीनाथ सामत राजा और पछिमहा देव
वक्ता - 4	डॉ. रुद्र नारायण पाणिग्रही, बस्तर	लोक साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष
वक्ता - 5	डॉ. देवधर महंत, जांजगीर-चांपा	छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य में सरिताएँ

द्वितीय सत्र - अपराह्न 03:15-05:15

सत्राध्यक्ष	आचार्य रमेन्द्रनाथ मिश्र	- पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग एवं पदुमलाल पुत्रा लाल बक्शी सृजन पीठ, रायपुर
वक्ता - 6	प्रो. चितरंजन कर, रायपुर	छत्तीसगढ़ की लोकगाथाओं में इतिहास-बोध (वाचिक परंपरा के विशेष संदर्भ में)
वक्ता - 7	श्री परदेशी राम वर्मा, रायपुर	लोकसाहित्य के दर्पण में अतीत का प्रतिबिंब
वक्ता - 8	श्री सुरेश प्रसाद जायसवाल, अम्बिकापुर	संत गहिरा गुरू एक युग पुरूष
वक्ता - 9	डॉ. सत्यभामा आडिल, रायपुर	छत्तीसगढ़ के इतिहास में पंडवानी प्रसङ्ग और भजनहा दाऊ सूबेदार आडिल का स्मरण
वक्ता - 10	डॉ. सुधीर पाठक, अम्बिकापुर	कोरवा-कोड़ाकुओं का जातीय पर्व-सोंदो

19 जून 2026, शुक्रवार

तृतीय सत्र - पूर्वाह्न 10:30-12:30

अध्यक्षता	डॉ. सत्यभामा आडिल	- वरिष्ठ साहित्यकार, रायपुर
वक्ता - 11	डॉ. विजय चौरसिया, डिंडोरी (म.प्र.)	लोक साहित्य में विद्यमान परंपरागत ज्ञान एवं कौशल - बैगा जनजाति की चिकित्सा पद्धति
वक्ता - 12	डॉ. अनुसुईया अग्रवाल, महासमुंद	इतिहास विषयक छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियां, संबंधित शौर्य कथाएं एवं महत्ता
वक्ता - 13	डॉ. अरुण कुमार निगम, दुर्ग	जनश्रुतियों/किंवदंतियों में छत्तीसगढ़ की नदियाँ
वक्ता - 14	डॉ. पीसीलाल यादव, गंडई	लोकगाथा कुँवर अछरिया - इतिहास एवं पुरातत्व
वक्ता - 15	प्रो. किशोर कुमार अग्रवाल, रायपुर	छत्तीसगढ़ के लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और गांधी

चतुर्थ सत्र - अपराह्न 12:30-02:30

अध्यक्षता	श्री राहुल कुमार सिंह	- प्रमुख, धरोहर परियोजना, बायोडायवर्सिटी एक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च, रायपुर
वक्ता - 16	डॉ. मृणालिका ओझा, रायपुर	स्मरण देवदास बंजारे
वक्ता - 17	श्री महेश वर्मा, रायपुर	लोक साहित्य के दर्पण में लोककला
वक्ता - 18	श्री शिवकुमार पांडेय, नारायणपुर	बस्तर की सांस्कृतिक पाठशाला: गोदुल
वक्ता - 19	श्री विक्रम सोनी, बस्तर	लोक-साहित्य में ज्ञात ऐतिहासिक भूगोल
वक्ता - 20	श्री कामेश्वर पांडेय, कोरबा	छत्तीसगढ़ के लोकाख्यानों का पुनर्पाठ: लोकभूमि से डिजिटल मंच तक

पंचम सत्र - अपराह्न 3:00-05:30

अध्यक्षता	डॉ. रुद्र नारायण पाणिग्रही	- वरिष्ठ साहित्यकार, बस्तर
वक्ता - 21	श्रीमती शकुंतला तरार, रायपुर	लोक साहित्य में ज्ञात ऐतिहासिक व्यक्तित्व, प्रेमी युगल देवता झिटकू और मिटकी
वक्ता - 22	डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद, गरियाबंद	लोक कथाओं में राज्य निर्माण की दृष्टि
वक्ता - 23	सुश्री स्मिता अखिलेश, धमतरी	आदिवासियों की अनूठी परम्परा - भंगाराम जात्रा
वक्ता - 24	प्रो. भूपेंद्र कुमार पटेल, जांजगीर-चांपा	कथा, किंवदंती और इतिहास: छत्तीसगढ़ के लोक जीवन का दर्पण
वक्ता - 25	श्रीमती रजनी शर्मा बस्तरिया, रायपुर	मुरिया जनजाति का पूस कोलांग नृत्य
वक्ता - 26	डॉ. पी. सी. पारख व अन्य	लोरिक चन्दा लोक गाथा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य